INTERNATIONAL JOURNAL OF
ARTS, COMMERCE & EDUCATION
A Multidisciplinary Peer-Reviewed, Refereed, Open Access Journal,
https://avjournals.com/ e-ISSN: 2347-7687, Vol 12, Issue 1, January-June 2024

शिक्षा में डिजिटल विभाजनः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच अंतर

डॉ. सुनील कुमार
सहायक प्राध्यापक
शिक्षा विभाग, सरस्वती शिक्षा सदन गंगानगर राजस्थान
(बीकानेर विश्वविद्यालय)

सार

यह शोध पत्र ''शिक्षा में डिजिटल विभाजनः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच अंतर'' पर केंद्रित है। इसमें डिजिटल विभाजन के कारणों और इसके शैक्षिक प्रभावों का विश्लेषण किया गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर और डिजिटल साधनों की उपलब्धता में भेदभाव को समझते हुए, इस अध्ययन ने इंटरनेट की पहुंच, आर्थिक कारणों और तकनीकी ज्ञान की कमी जैसे कारकों की समीक्षा की है। यह भी बताया गया है कि कैसे कोरोना महामारी के दौरान डिजिटल शिक्षा का विस्तार हुआ और ग्रामीण क्षेत्रों में इसका सामना करने में आने वाली समस्याओं का समाधान ढूंढने के उपाय सुझाए गए हैं। सरकार की योजनाओं, तकनीकी सुधार और समान अवसर प्रदान करने के लिए नीति सुधारों पर भी चर्चा की गई है। इस शोध का उद्देश्य शिक्षा में डिजिटल विभाजन को समाप्त करने और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच समान अवसर प्रदान करने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता को स्पष्ट करना है।

मुख्य शब्दः डिजिटल विभाजन, शहरी–ग्रामीण भेद, शिक्षा की गुणवत्ता, इंटरनेट की पहुंच, डिजिटल शिक्षा, कोरोना महामारी, तकनीकी ज्ञान, नीति सुधार, शैक्षिक संसाधन, समावेशी शिक्षा।

1. परिचयः

डिजिटल विभाजन, जो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के असमान वितरण और उपयोग के कारण उत्पन्न होता है, आज एक महत्वपूर्ण सामाजिक और शैक्षिक मुद्दा बन चुका है। यह विभाजन शिक्षा की गुणवत्ता में भेदभाव उत्पन्न करता है, जिससे छात्रों की शिक्षा प्राप्ति में अंतर आता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन के प्रमुख कारणों में आर्थिक असमानता, इंटरनेट की पहुँच की कमी, और तकनीकी ज्ञान की अपर्याप्तता शामिल हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता बहुत कम है,

यह समस्या अधिक गंभीर रूप लेती है। यह विभाजन उन छात्रों के लिए अवसरों की असमानता उत्पन्न करता है जो डिजिटल संसाधनों से वंचित हैं, और शहरी क्षेत्रों के छात्रों के मुकाबले उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

उद्देश्य:

- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा में डिजिटल विभाजन के कारणों का विश्लेषण करना।
- डिजिटल विभाजन के शैक्षिक प्रभावों का अध्ययन करना, विशेष रूप से ग्रामीण छात्रों पर।
- डिजिटल विभाजन को कम करने के लिए सरकार और शिक्षा संस्थानों द्वारा की जा रही पहलों का मूल्यांकन करना।
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच समान शिक्षा अवसर प्रदान करने के उपायों की पहचान करना।

2. डिजिटल विभाजन का शैक्षिक प्रभाव

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच संसाधनों की असमानता के कारण होता है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में भेदभाव उत्पन्न होता है। शहरी छात्रों को बेहतर डिजिटल उपकरणों, इंटरनेट कनेक्टिविटी और ऑनलाइन संसाधनों का लाभ मिलता है, जबकि ग्रामीण छात्रों को इन सुविधाओं की कमी के कारण शिक्षा में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप, ग्रामीण छात्रों का शैक्षिक विकास और भविष्य के अवसर सीमित हो जाते हैं।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में अंतर:

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में बड़ा अंतर देखा जाता है, जिसका प्रमुख कारण वहाँ उपलब्ध संसाधनों का भेद है। शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के लिए तकनीकी संसाधन जैसे तेज इंटरनेट कनेक्शन, स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरणों का सहज उपयोग होता है, जिससे छात्रों को सीखने और शिक्षा से संबंधित अन्य गतिविधियों में कोई कठिनाई नहीं होती। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों में इन सुविधाओं का अभाव होता है, जिससे वहाँ के छात्रों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन हो जाता है। शहरी क्षेत्रों में स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम्स, डिजिटल बोर्ड, और अन्य नवीनतम प्रौद्योगिकियाँ उपलब्ध होती हैं, जो छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने में सहायक साबित होती हैं। इसके परिणामस्वरूप, शहरी छात्रों को बेहतर शिक्षा मिलती है,

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS, COMMERCE & EDUCATION
A Multidisciplinary Peer-Reviewed, Refereed, Open Access Journal,
https://avjournals.com/ e-ISSN: 2347-7687, Vol 12, Issue 1, January-June 2024

जबकि ग्रामीण छात्रों के लिए यह सब कुछ एक सपना सा बनकर रह जाता है (गुप्ता और मिश्रा, 2017)।

शहरी छात्रों को डिजिटल साधनों के माध्यम से उच्च–गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों को अपने विषयों के बारे में समुचित जानकारी प्राप्त करने के लिए पारंपरिक तरीकों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उनका शैक्षिक विकास प्रभावित होता है। यह भेद भाव भविष्य में उनके करियर और व्यक्तिगत विकास पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

डिजिटल साधनों की उपलब्धता में भेदभाव:

शहरी छात्रों के पास इंटरनेट और अन्य डिजिटल उपकरणों की पहुंच होती है, जो उनके शैक्षिक अनुभव को बेहतर बनाते हैं। वे ऑनलाइन शिक्षा, कोर्सेस, वेबिनार्स और डिजिटल लाइब्रेरीज का आसानी से उपयोग कर सकते हैं, जिससे उन्हें शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त, शहरी स्कूलों में छात्र–शिक्षक अनुपात भी अच्छा होता है, जिससे हर छात्र को अधिक ध्यान मिल पाता है और व्यक्तिगत सहायता प्राप्त होती है (पटेल और जोशी, 2018)।

लेकिन, ग्रामीण क्षेत्रों में यह भेदभाव स्पष्ट रूप से देखा जाता है। वहाँ के छात्रों को कंप्यूटर, इंटरनेट, और स्मार्टफोन जैसी डिजिटल सुविधाओं तक पहुंच में कई समस्याएं आती हैं। साथ ही, ग्रामीण स्कूलों में अक्सर इन उपकरणों का अभाव होता है, जिससे छात्रों को अन्य शहरी छात्रों के मुकाबले सीखने के अवसर कम मिलते हैं। यहाँ तक कि ऑनलाइन शिक्षा, जो कोविड–19 महामारी के दौरान एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई थी, ग्रामीण छात्रों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हुई। इंटरनेट की धीमी गति और नेटवर्क की कमी के कारण वे ऑनलाइन कक्षाओं का लाभ नहीं उठा पाए।

ऑनलाइन शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों का अभाव:

ऑनलाइन शिक्षा के लिए जिस प्रकार के तकनीकी संसाधनों की आवश्यकता होती है, वह अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में अनुपलब्ध है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्शन की गति बहुत धीमी होती है और कई बार नेटवर्क का बिल्कुल अभाव भी होता है। इसके साथ ही, स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे उपकरणों की कमी भी एक बड़ी समस्या है। एक अध्ययन के अनुसार, ग्रामीण छात्रों में से अधिकांश के पास शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल उपकरण नहीं होते, और यदि होते भी हैं, तो उनकी तकनीकी क्षमता बहुत सीमित होती है (राणा और देशमुख, 2023)।

इसके अलावा, ऑनलाइन शिक्षा को अपनाने के लिए जो डिजिटल साक्षरता आवश्यक है, वह

भी ग्रामीण क्षेत्रों में कम देखी जाती है। छात्रों को इंटरनेट का उपयोग करना, वीडियो कक्षाओं में भाग लेना और ऑनलाइन शोध करना सीखने में कठिनाई होती है। इसके परिणामस्वरूप, वे डिजिटल शिक्षा के लाभ से वंचित रह जाते हैं और उनका शैक्षिक विकास रुक जाता है।

समग्र रूप से, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन का शैक्षिक प्रभाव व्यापक है, जो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता पर असर डालता है, बल्कि छात्रों की भविष्यवाणी और करियर संभावनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साधनों की उपलब्धता में भेदभाव और ऑनलाइन शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों का अभाव, इस असमानता को और बढ़ाता है।

3. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन के कारण

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन के मुख्य कारणों में आर्थिक असमानता, इंटरनेट की पहुँच में भेदभाव और डिजिटल साक्षरता की कमी शामिल हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को शिक्षा में अवसरों की कमी और तकनीकी संसाधनों तक पहुँच में कठिनाई होती है।

आर्थिक कारण और संसाधनों की कमी:

ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक असमानता एक प्रमुख कारण है जो डिजिटल विभाजन को उत्पन्न करता है। यहाँ की अधिकांश जनसंख्या की औसत आय शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बहुत कम होती है, जिसके कारण वे डिजिटल उपकरणों, स्मार्टफोन, कंप्यूटर, और उच्च गति इंटरनेट कनेक्शन जैसी आवश्यक संसाधनों को खरीदने में सक्षम नहीं होते हैं (जैन और जैन, 2021)। इस आर्थिक विपरीतता के कारण, ग्रामीण छात्रों को डिजिटल शिक्षा से वंचित रहना पड़ता है, जिससे उनकी शिक्षा में महत्वपूर्ण अंतर आता है।

ग्रामीण परिवारों में प्राथमिक जरूरतों के लिए वित्तीय संघर्ष होता है, और ऐसे में तकनीकी संसाधनों पर खर्च करना उनके लिए कठिन होता है। उदाहरण स्वरूप, स्मार्टफोन या लैपटॉप जैसे उपकरण जो आजकल शिक्षा का अहम हिस्सा बन चुके हैं, ग्रामीण छात्रों के लिए बहुत महंगे होते हैं। इससे यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि अधिकांश ग्रामीण छात्र केवल अपने स्मार्टफोन का उपयोग शिक्षा में नहीं कर पाते। इंटरनेट कनेक्टिविटी की लागत और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पैक की कीमत भी ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत अधिक होती है, जिससे छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षा तक पहुँच असंभव हो जाती है। यह स्थिति इस विभाजन को और गहरा करती है, जिससे शहरी छात्रों के मुकाबले ग्रामीण छात्रों को शिक्षा में ज्यादा बाधाएँ

INTERNATIONAL JOURNAL OF
ARTS, COMMERCE & EDUCATION
A Multidisciplinary Peer-Reviewed, Refereed, Open Access Journal,
https://avjournals.com/ e-ISSN: 2347-7687, Vol 12, Issue 1, January-June 2024

उत्पन्न होती हैं।

इंटरनेट की पहुँच और बुनियादी ढांचे की स्थितिः

इंटरनेट की पहुँच और बुनियादी ढाँचे की स्थिति भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन को बढ़ावा देती है। शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होती है, और यहाँ के स्कूलों में आमतौर पर उच्च गति इंटरनेट और स्मार्ट क्लासरूम की सुविधाएँ उपलब्ध रहती हैं। इसके परिणामस्वरूप, शहरी छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं, डिजिटल पाठ्यक्रम, और अन्य शैक्षिक साधनों का लाभ आसानी से मिलता है (शर्मा और कुमार, 2022)। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की स्थिति अत्यंत खराब होती है। वहाँ के छात्रों को अक्सर धीमे इंटरनेट, या कभी–कभी इंटरनेट की पूरी अनुपस्थिति का सामना करना पड़ता है। यह समस्या विशेष रूप से उन इलाकों में गंभीर होती है जहाँ बुनियादी ढांचे की स्थिति भी कमजोर है। बिजली की बार–बार कटौती, खराब नेटवर्क कनेक्शन, और अन्य तकनीकी समस्याएँ छात्रों के लिए एक बड़ी चुनौती होती हैं। इसका प्रभाव सीधे तौर पर छात्रों की शिक्षा पर पड़ता है क्योंकि वे न तो ऑनलाइन कक्षाओं का पूरा लाभ उठा पाते हैं और न ही शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच बना पाते हैं। इस कारण से, शिक्षा में असमानता और बढ़ जाती है, और ग्रामीण छात्र शहरी छात्रों से पिछड़ जाते हैं।

इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश स्कूलों में डिजिटल उपकरणों और कंप्यूटरों का अभाव होता है। शहरी स्कूलों में जहाँ पर डिजिटल स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर, और कंप्यूटर प्रयोग किए जाते हैं, वहीं ग्रामीण स्कूलों में ये साधन बहुत सीमित होते हैं या पूरी तरह से अनुपस्थित होते हैं। यह न केवल छात्रों के लिए शैक्षिक अवसरों की कमी उत्पन्न करता है, बल्कि उनके तकनीकी कौशल के विकास में भी बाधाएँ डालता है।

तकनीकी ज्ञान और शिक्षा की कमीः

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी एक और महत्वपूर्ण कारण है जो डिजिटल विभाजन को बढ़ावा देता है। शहरी क्षेत्रों में जहां तकनीकी ज्ञान और डिजिटल साक्षरता की महत्वपूर्ण शिक्षा दी जाती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह शिक्षा बहुत सीमित होती है। ग्रामीण इलाकों में अधिकांश छात्र, विशेष रूप से पहले–पढ़ाई करने वाले बच्चे, डिजिटल उपकरणों का सही उपयोग करने में सक्षम नहीं होते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि इन इलाकों में ज्यादातर परिवारों के पास डिजिटल संसाधन नहीं होते, और अगर होते भी हैं, तो उनका उपयोग सही

तरीके से नहीं किया जाता (सोनी और प्रकाश, 2023)।

ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश शिक्षक भी डिजिटल साक्षरता में प्रशिक्षित नहीं होते, जिससे वे अपने छात्रों को इन उपकरणों का उपयोग करने में मदद नहीं कर पाते। इसके परिणामस्वरूप, ग्रामीण छात्रों को डिजिटल शिक्षा और तकनीकी उपकरणों के उपयोग में कठिनाइयाँ होती हैं। ऐसे में, उन्हें केवल पारंपरिक तरीके से ही शिक्षा प्राप्त होती है, जबकि शहरी छात्रों को डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, और अन्य शैक्षिक तकनीकों का लाभ मिलता है।

इसके अतिरिक्त, कई ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और कंप्यूटर के उपयोग के लिए बुनियादी ज्ञान की कमी भी एक बड़ी समस्या है। छात्रों को ऑनलाइन शोध करने, शैक्षिक वीडियो देखने, और डिजिटल पाठ्यक्रमों का उपयोग करने के लिए आवश्यक डिजिटल कौशल नहीं होते। इससे उनका शैक्षिक विकास प्रभावित होता है और वे शहरी छात्रों के मुकाबले काफी पीछे रह जाते हैं।

इस प्रकार, तकनीकी ज्ञान की कमी और डिजिटल साक्षरता की अनुपस्थिति ग्रामीण छात्रों को डिजिटल विभाजन के कारण शिक्षा में पीछे कर देती है, जिससे उनके भविष्य पर नकारात्मक असर पड़ता है।

4. डिजिटल विभाजन के प्रभाव

शहरी छात्रों की तुलना में ग्रामीण छात्रों के लिए शिक्षा में बाधाएं:

ग्रामीण छात्रों को शहरी छात्रों की तुलना में शिक्षा में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिनमें प्रमुख बाधाएँ इंटरनेट की धीमी गति, नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या और डिजिटल उपकरणों की कमी शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में जहाँ इंटरनेट की गति उच्च होती है और आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग आम है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में ये संसाधन सीमित होते हैं, जिससे छात्रों को शैक्षिक सामग्री प्राप्त करने में समस्याएँ आती हैं (राजपूत और वर्मा, 2020)। शहरी छात्रों को उच्च गति का इंटरनेट मिलता है, जो उन्हें ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने, शैक्षिक वीडियो देखने और अन्य डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने में मदद करता है, जबकि ग्रामीण छात्रों को अक्सर इंटरनेट की धीमी गति का सामना करना पड़ता है, जिससे ऑनलाइन कक्षाएँ ठीक से नहीं चल पातीं और वे शिक्षा से वंचित रहते हैं। इसके अलावा, इंटरनेट के बिना, छात्रों के लिए डिजिटल शैक्षिक सामग्री, जैसे ऑनलाइन शोध, वीडियो लर्निंग, और प्रैक्टिकल अभ्यास मुश्किल हो जाते हैं, जिससे उनकी शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

यह असमानता शिक्षा के क्षेत्र में एक दीवार की तरह काम करती है, जहाँ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच एक बड़ा शैक्षिक अंतर उत्पन्न होता है। यह केवल शहरी छात्रों के लिए अवसरों का निर्माण करता है, जबकि ग्रामीण छात्रों के लिए उन अवसरों को प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। शहरी छात्रों को डिजिटल उपकरणों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त होती है, जबकि ग्रामीण छात्रों को केवल पारंपरिक शिक्षा पर निर्भर रहना पड़ता है, जो उनके समग्र शैक्षिक विकास में एक बड़ी बाधा बनता है।

ग्रामीण छात्रों में डिजिटल साक्षरता का अभाव:

डिजिटल साक्षरता की कमी ग्रामीण छात्रों के लिए एक और महत्वपूर्ण चुनौती है। डिजिटल साक्षरता का अभाव छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा के लाभों को पूरी तरह से समझने और उपयोग करने से रोकता है (भारद्वाज और सोनी, 2019)। ग्रामीण क्षेत्रों में, अधिकांश छात्रों के पास डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने का पर्याप्त अनुभव नहीं होता, जिससे उन्हें कंप्यूटर, स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही उपयोग करने में कठिनाई होती है। इसके कारण, जब वे ऑनलाइन शिक्षा में भाग लेते हैं, तो उन्हें बुनियादी डिजिटल उपकरणों के उपयोग की समझ नहीं होती और वे शैक्षिक सामग्री को समझने में पिछड़ जाते हैं।

इसके अलावा, तकनीकी कौशल की कमी की वजह से, ग्रामीण छात्रों को इंटरनेट पर शोध करने, शैक्षिक वेबसाइट्स को एक्सप्लोर करने, और अन्य ऑनलाइन शैक्षिक प्लेटफार्मों का उपयोग करने में कठिनाई होती है। यह असमर्थता उन्हें शहरी छात्रों के मुकाबले काफी पीछे कर देती है, जो पहले से ही डिजिटल प्लेटफार्मों पर काम करने में सक्षम होते हैं। ग्रामीण छात्रों में यह अंतर शिक्षा के क्षेत्र में असमानता को और बढ़ाता है, जिससे उनकी सीखने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। डिजिटल साक्षरता की कमी केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समग्र शिक्षा प्रणाली में उनके आत्मविश्वास और सफलता की संभावना को भी प्रभावित करती है।

5. डिजिटल विभाजन से निपटने के उपाय:

डिजिटल विभाजन से निपटने के लिए सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने और सस्ते डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पहल करनी चाहिए। इसके साथ ही, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच समान शिक्षा अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए नीति सुधार की आवश्यकता है।

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS, COMMERCE & EDUCATION
A Multidisciplinary Peer-Reviewed, Refereed, Open Access Journal,
https://avjournals.com/ e-ISSN: 2347-7687, Vol 12, Issue 1, January-June 2024

1. सरकार की योजनाएं और पहलः

भारत सरकार ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिए कई योजनाएं और पहल शुरू की हैं। इनमें 'डिजिटल इंडिया' और 'भारतनेट' जैसी पहलें शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ाने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के तहत, सरकार ने देश के हर कोने में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, ताकि डिजिटल शिक्षा की पहुँच अधिक से अधिक लोगों तक हो सके। इसके अलावा, 'प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान' भी शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में लोगों को डिजिटल उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करने की शिक्षा देना है (पांडेय और कुमार, 2020)।

इन पहलों का उद्देश्य न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुँच बढ़ाना है, बल्कि डिजिटल साक्षरता को बढ़ाकर, तकनीकी शिक्षा के जरिए ग्रामीण छात्रों और नागरिकों को समृद्ध बनाना भी है। यदि ये योजनाएं सही तरीके से लागू होती हैं, तो वे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

2. डिजिटल शिक्षा के लिए तकनीकी सुधारः

डिजिटल शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी सुधार की आवश्यकता है। इससे न केवल ग्रामीण छात्रों को लाभ होगा, बल्कि वे शिक्षा में समान अवसर पा सकेंगे। ऑनलाइन शिक्षा के लिए बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्रों को मिलकर काम करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट क्लासरूम्स, इंटरनेट एक्सेस पॉइंट्स, और डिजिटल लैब्स स्थापित करने की आवश्यकता है, जिससे छात्रों को इंटरनेट और डिजिटल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का अवसर मिल सके।

इसके अलावा, इंटरनेट कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए सैटेलाइट इंटरनेट और वायरलेस नेटवर्क जैसे विकल्पों का उपयोग किया जा सकता है, जो ग्रामीण इलाकों में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे। सरकार और प्राइवेट कंपनियों को मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा पैक्स की सस्ती कीमतों पर उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भी ऑनलाइन शिक्षा तक पहुँच प्राप्त हो सके।

3. शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच समान अवसर प्रदान करने के लिए नीति सुधारः

समान शिक्षा अवसरों की दिशा में एक बड़ा कदम होगा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा संबंधी असमानताओं को खत्म करना। इसके लिए नीति सुधार की आवश्यकता है, जो डिजिटल संसाधनों के वितरण में समानता लाए। नीति निर्माताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल शिक्षा का लाभ केवल शहरी छात्रों तक ही सीमित न रहे, बल्कि यह हर ग्रामीण छात्र तक पहुँचे।

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए समावेशी शिक्षा नीतियाँ बनाई जानी चाहिए, जिनके माध्यम से छात्रों को डिजिटल उपकरणों और स्मार्ट क्लासरूम्स जैसी सुविधाओं तक आसानी से पहुँच मिल सके। इसके लिए, निजी क्षेत्र को भी प्रेरित किया जा सकता है ताकि वे स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे उपकरणों को सस्ते दरों पर उपलब्ध करवा सकें।

4. समुदाय आधारित समाधान और सहयोगः

ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय आधारित पहलें और सहयोग भी डिजिटल विभाजन से निपटने के लिए महत्वपूर्ण हो सकती हैं। समाजसेवी संगठनों, और स्वयंसेवी संस्थाओं को शामिल करके, डिजिटल शिक्षा और साक्षरता के लिए कार्यक्रमों की शुरुआत की जा सकती है। ये संस्थाएँ सामुदायिक शिक्षा केंद्रों और मोबाइल ट्रेनों जैसी पहलों के माध्यम से ग्रामीण छात्रों को डिजिटल शिक्षा प्रदान कर सकती हैं।

इसके अलावा, ग्रामीण इलाकों में स्थानीय शिक्षकों और प्रशिक्षकों को डिजिटल उपकरणों का प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि वे अपने छात्रों को इन उपकरणों का सही उपयोग सिखा सकें और डिजिटल शिक्षा के फायदे समझा सकें।

5. डिजिटल साक्षरता पर विशेष ध्यानः

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना डिजिटल विभाजन को खत्म करने के लिए एक आवश्यक कदम है। इसके लिए विशेष कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं, जिनमें छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के अन्य सदस्यों को डिजिटल उपकरणों का सही उपयोग सिखाया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स और कोर्सेज शुरू किए जा सकते हैं, जो छात्रों को आधुनिक शैक्षिक तकनीकों से अवगत कराएंगे। इससे उन्हें न केवल शिक्षा में सुधार मिलेगा, बल्कि वे डिजिटल दुनिया में भी अपने अधिकारों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

निष्कर्षः

डिजिटल विभाजन शिक्षा में असमानता को बढ़ाता है, विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संसाधनों की असमानता के कारण। शहरी क्षेत्रों में छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त होती है क्योंकि वहाँ इंटरनेट, डिजिटल उपकरण और तकनीकी संसाधन आसानी से उपलब्ध होते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में ये सुविधाएँ सीमित होती हैं, जिससे छात्रों का शैक्षिक विकास प्रभावित होता है। इस विभाजन को कम करने के लिए सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने और सस्ते डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। इसके साथ ही, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच समान शिक्षा अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए नीति सुधार की आवश्यकता है। यह आवश्यक है कि डिजिटल शिक्षा के लाभ सभी छात्रों तक पहुँचें, ताकि हर छात्र को समान अवसर मिल सके और वे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें।

संदर्भ

1 अग्रवाल, आर., और सिंघल, ए. (2024). भारत में ग्रामीण शिक्षा प्रणालियों में डिजिटल डिवाइड को पाटना। एजुकेशनल टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 72(1), 109–124.

2 ऐथल, ए., और ऐथल, पी. एस. (2024). शिक्षा में डिजिटल डिवाइडः ग्रामीण और शहरी असमानताओं पर एक वैश्विक दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, 10(2), 33–45.

3 गुप्ता, ए., और मिश्रा, एन. (2017). डिजिटल साक्षरता और ग्रामीण शिक्षा में इसकी चुनौतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड इनोवेशन, 34(2), 195–208.

4 जैन, ए., और जैन, पी. (2021). ग्रामीण शिक्षा पर इंटरनेट की पहुँच का प्रभावः भारत से प्रमाण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, 12(3), 228–242.

5 पटेल, आर., और जोशी, एम. (2018). ऑनलाइन शिक्षा में ग्रामीण–शहरी विभाजनः एक भारतीय परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन, 20(3), 275–290.

6 पांडेय, एस., और कुमार, एस. (2020). शैक्षिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण भारत में

डिजिटल विभाजन को पाटना। जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट, 39(1), 68–83.

7 भाटिया, एस., और खुराना, एस. (2021). भारत की शिक्षा प्रणाली में ग्रामीण–शहरी डिजिटल डिवाइड की जांच। जर्नल ऑफ एजुकेशनल सोशियोलॉजी, 35(2), 47–63.

8 भारद्वाज, एस., और सोनी, आर. (2019). भारतीय शिक्षा में डिजिटल विभाजन को समझनाः ग्रामीण बनाम शहरी चुनौतियों की एक आलोचनात्मक जाँच। एजुकेशनल फिलॉसफी एंड थ्योरी, 51(6), 647–660.

9 राजपूत, डी., और वर्मा, पी. (2020). ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल लर्निंगः तकनीकी बाधाएं और समाधान। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 46(2), 57–71.

10 राणा, पी., और देशमुख, ए. (2023). ग्रामीण शिक्षा में तकनीकी समावेशनः शहरी–ग्रामीण डिजिटल अंतर को कम करना। एजुकेशन एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजीज, 28(5), 7027–7040.

11 रावत, पी., और रावत, एस. (2022). ग्रामीण–शहरी डिजिटल डिवाइड का आकलनः शिक्षा के भविष्य के लिए निहितार्थ। एशियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 8(4), 132–145.

12 शर्मा, डी., और कुमार, वी. (2022). ग्रामीण भारत में इंटरनेट एक्सेस का शैक्षिक परिणामों पर प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 18(3), 77–85.

13 सिंह, आर., और गर्ग, पी. (2018). ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक असमानताओं को पाटने में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका। टेक्नोलॉजी, पेडागोजी एंड एजुकेशन, 27(1), 82–99.

14 सिंह, ए., और वर्मा, आर. (2019). शिक्षा में डिजिटल डिवाइड के प्रभाव की पड़तालः ग्रामीण और शहरी भारत का एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ कम्पैरेटिव एजुकेशन, 62(4), 540–556.

15 सोनी, एस., और प्रकाश, एस. (2023). डिजिटल डिवाइड को संबोधित करनाः ऑनलाइन लर्निंग के साथ ग्रामीण बनाम शहरी छात्रों के अनुभव। जर्नल ऑफ एजुकेशनल मीडिया, 49(4), 212–225.